CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

NEWS FOR UPSC

UPSC, IAS/PCS

State Exam

All Exam

03 Jan. 2025

ABHAY SIR

संघर्ष करते समय

ये तीन बातें अपने दिमाग में जरूर रखें

पहली:- अपना लक्ष्य क्या है

दूसरी:- असंभव कुछ भी नहीं है

तीसरी:- महनत कभी बेकार नहीं जाती

Result Mitra
सतत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के भारत को मिला 500 मिलियन डॉलर का ऋण।

❑ **किसने दिया :–** एडीबी ने।

❑ **यह समझौता :–** एशियाई विकास बैंक (ADB) और भारत सरकार के मध्य हुआ।

❑ समझौते के उद्देश्य:–

1.पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन करना।

2. सतत विकास का समर्थन करना।

3. शुद्ध-शून्य कॉर्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए भारत की आर्थिक मदद करना।

❑ कहां किया जाएगा फंड का उपयोग :– फंड का उपयोग भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (IIFCL) के द्वारा ऊर्जा संक्रमण, स्वास्थ्य सेवा, शहरी विकास और शिक्षा में।

सत्यमेव जयते
Government of India

ADB
ASIAN DEVELOPMENT BANK

- एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB)
- **स्थापना :–** 1966 में स्थापित
- **प्रकार :–** एक क्षेत्रीय विकास बैंक।
- **उद्देश्य:–** 1. एशिया और प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए।
- 2. सदस्य देशों के बीच आर्थिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, गरीबी उन्मूलन, और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देना है।
- **मुख्यालय:–** मनीला, फिलीपींस
- **सदस्य देश:–** 69 सदस्य देश (49 एशिया-प्रशांत क्षेत्र से और 19 अन्य क्षेत्र से)
- 69 वा सदस्य देश इजराइल है

Result Mitra

❑ **कार्य:–**

1. वित्तपोषण:– विभिन्न परियोजनाओं के लिए ऋण और अनुदान प्रदान करना।

❑ निजी क्षेत्र में निवेश।

2. तकनीकी सहायता:– नीतियों और परियोजनाओं के लिए तकनीकी सलाह।

3. क्षमता निर्माण: – सदस्य देशों की संस्थागत और मानव संसाधन क्षमताओं को विकसित करना।

❑ **प्रमुख पहल**

❑ **ग्रीन एनर्जी:** स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं को प्राथमिकता देना।

❑ **स्मार्ट सिटीज़:** सतत और स्मार्ट शहरी विकास को बढ़ावा देना।

❑ **आपदा प्रबंधन:** प्राकृतिक आपदाओं के लिए तैयारी और पुनर्निर्माण।

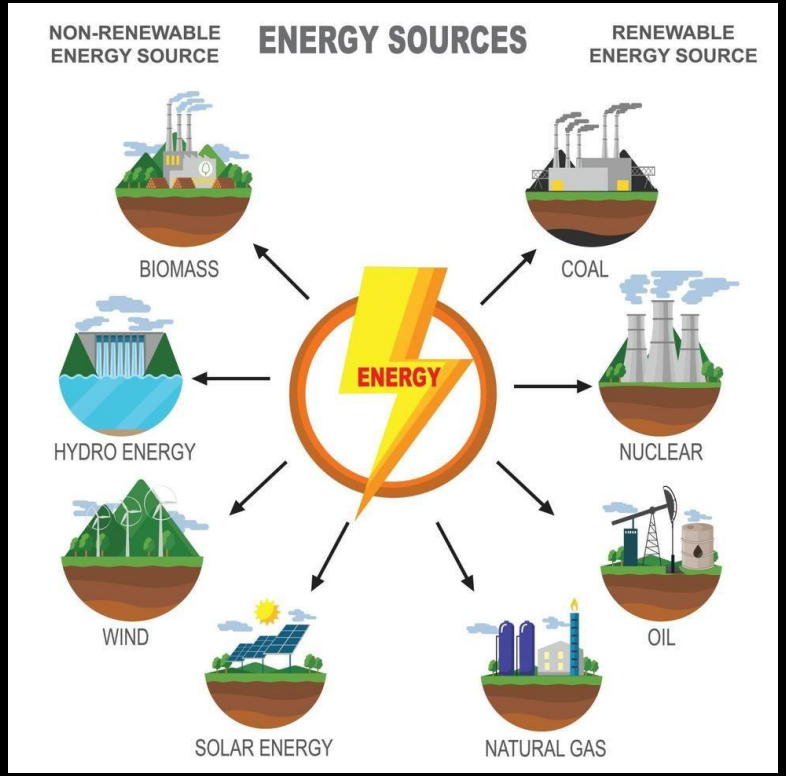

- ADB के वित्तीय संसाधन
- ADB सदस्य देशों से प्राप्त पूंजी और वैश्विक वित्तीय बाजार से उधार के माध्यम से अपनी परियोजनाओं का वित्तपोषण करता है।
- ADB और भारत
- भारत ADB का एक प्रमुख सदस्य ।
- ADB ने भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, शहरी विकास, स्वच्छता और ग्रामीण विकास में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं।
- **IIFCL का परिचय**
- स्थापना: – भारत सरकार द्वारा 2006 में स्थापित।

❑ उद्देश्य:

1.एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) और भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (IIFCL) के बीच साझेदारी करना जिससे भारत में बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

2.प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण प्रदान करना।

3.सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल को समर्थन देना।

❑ क्षेत्र:

- ❑ परिवहन (सड़क, रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह)।
- ❑ ऊर्जा (पावर जेनरेशन, ट्रांसमिशन, रिन्यूएबल एनर्जी)।
- ❑ शहरी विकास (पानी की आपूर्ति, सीवेज प्रबंधन)।

❑ ADB और IIFCL के बीच साझेदारी

1. ADB का समर्थन:

❑ ADB ने IIFCL को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की है।

❑ ADB ने IIFCL के जरिए भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए लाइन ऑफ क्रेडिट उपलब्ध कराई है।

2. प्रमुख योगदान:

❑ 2013: ADB ने IIFCL को $700 मिलियन का ऋण दिया।

❑ यह धनराशि भारत में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में उपयोग की गई।

❑ सड़क, बिजली, और शहरी सेवाओं में बड़े निवेश हुए।

3. लाभ:

- ❑ लंबी अवधि की वित्तीय जरूरतों को पूरा करना।
- ❑ निवेशकों और निजी भागीदारों को प्रोत्साहित करना।
- ❑ भारत के बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता और क्षमता को बढ़ाना।
- ❑ महत्वपूर्ण परियोजनाएँ
- ❑ सड़क परियोजनाएँ: नेशनल हाईवे डेवलपमेंट प्रोग्राम (NHDP) के तहत।
- ❑ ऊर्जा परियोजनाएँ: सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे रिन्यूएबल प्रोजेक्ट्स।
- ❑ शहरी विकास: मेट्रो रेल और स्मार्ट सिटी पहल।

Result Mitra

❑ भविष्य की संभावनाएँ

❑ ADB और IIFCL के बीच सहयोग भारत में सतत और समावेशी बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

❑ यह साझेदारी न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है बल्कि रोज़गार सृजन और क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित करने में भी मदद करती है।

❑ एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसका मुख्यालय मनीला, फिलीपींस में स्थित है।
2. यह केवल एशिया और प्रशांत क्षेत्र के देशों को सहायता प्रदान करता है।
3. भारत ADB का संस्थापक सदस्य है।

सही उत्तर का चयन करें:

A) केवल 1 और 3

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 2

D) 1, 2 और 3

Result Mitra

भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट, 2024

- **किसने जारी की :–** जल शक्ति मंत्रालय ने

- **किस प्रकार की रिपोर्ट :–** वार्षिक

- रिपोर्ट में डेटा संग्रह, विश्लेषण और व्याख्या में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए भूजल गुणवत्ता निगरानी के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) प्रस्तुत की गई।

- **भारत में भूजल की स्थिति :–**

- विश्व में भारत सबसे बड़ा भूजल उपयोगकर्ता है।

- वैश्विक स्तर पर प्रयोग किए जाने वाले भूजल उपयोग का भारत अकेले 25% से अधिक उपयोग करता है।

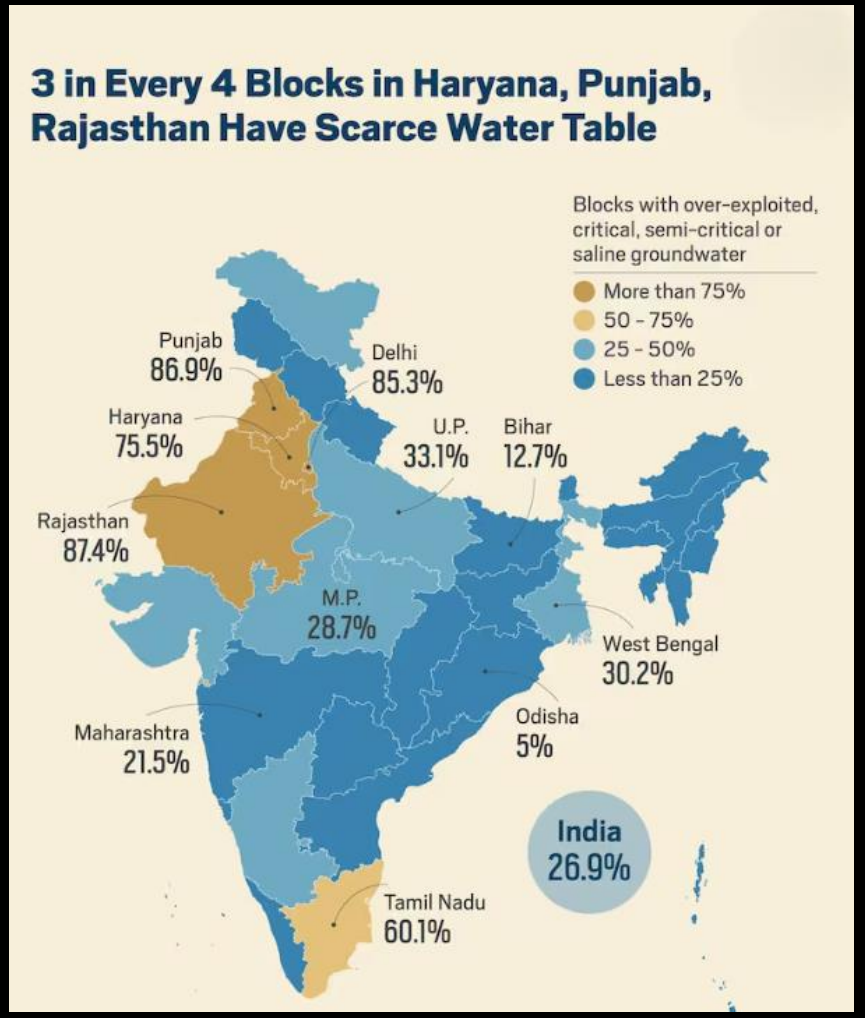

❑ भारत में भूजल का उपयोग :–

❑ भारत में कुल भूजल निकासी का 87% कृषि क्षेत्रक में प्रयोग किया जाता है

❑ जबकि 11% घरेलू क्षेत्रक में उपयोग किया जाता है।

❑ इस रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

❑ हरियाणा, राजस्थान और आंध्र प्रदेश के सैंपल में व्यापक संदूषण (Contamination) पाया गया है।

❑ मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश आदि राज्यों में भूजल के 100% सैंपल BIS मानकों को पूरा करते हैं,

Result Mitra

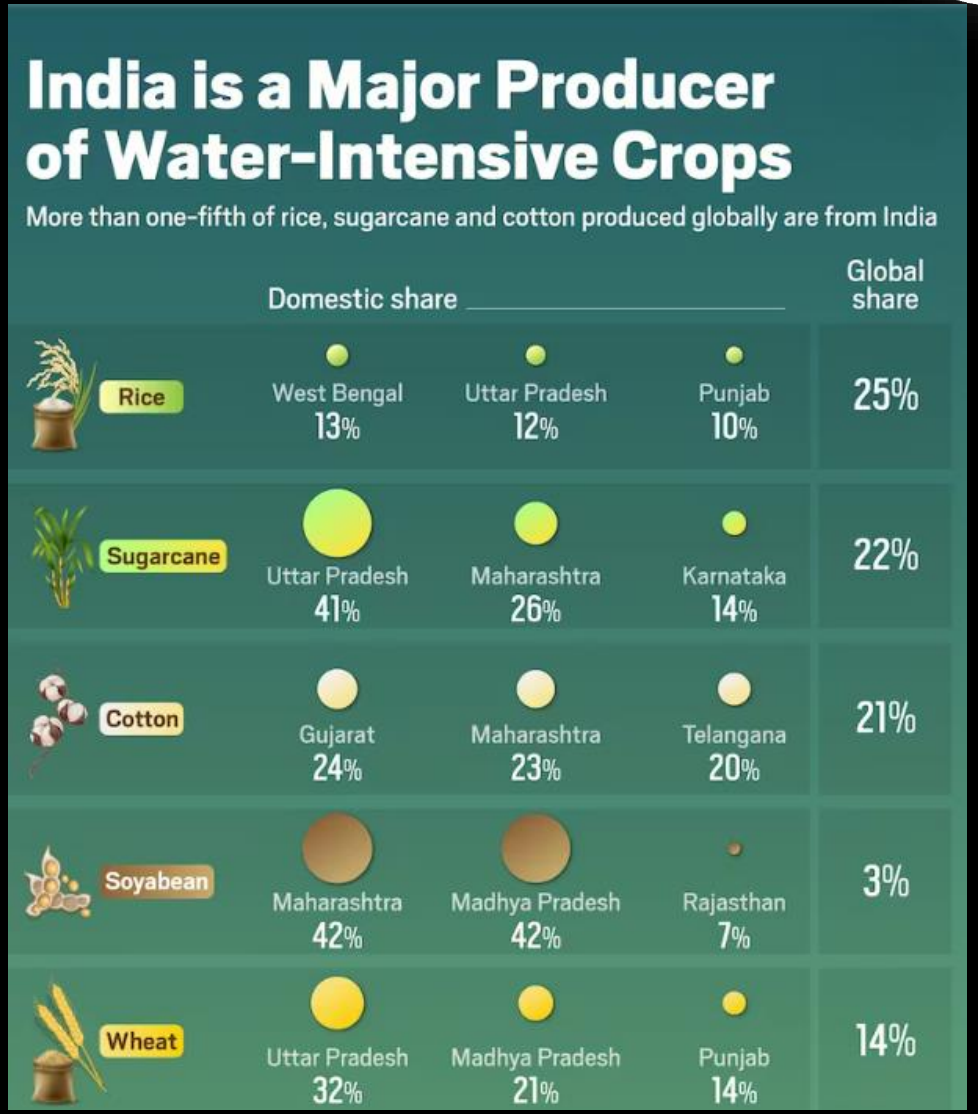

❑ भूजल प्रदूषण के संभावित स्रोतों में निम्नलिखित में से कौन शामिल है?

1. नाइट्रेट युक्त उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग
2. अनियंत्रित औद्योगिक अपशिष्ट का निपटान
3. खनन गतिविधियाँ
4. सतह जल निकायों का संदूषण

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2, 3 और 4

C) 1, 2, 3 और 4

D) केवल 1 और 3

❑ भारत में भूजल में पाए जाने वाले फ्लोराइड और आर्सेनिक संदूषण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. फ्लोराइड का अत्यधिक स्तर हड्डी और दाँत की समस्याएँ उत्पन्न करता है।
2. आर्सेनिक प्रदूषण मुख्य रूप से पश्चिमी भारत में पाया जाता है।
3. भूजल संदूषण का स्रोत प्राकृतिक और मानवजनित दोनों हो सकते हैं।

सही उत्तर का चयन करें:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

Result Mitra

2024 में भारत ने वैश्विक विप्रेषण का सबसे अधिक हिस्सा प्राप्त किया।

- यह जानकारी विश्व बैंक के द्वारा प्रदान की गई है।
- भारत ने कुल वैश्विक विप्रेषण (Remittance) का 14.3% प्राप्त किया।
- वैश्विक स्तर पर विप्रेषण संबंधी ट्रेंड्स
- 2024 में शीर्ष पांच विप्रेषण प्राप्त करने वाले देश :–
- भारत 129 बिलियन डॉलर के साथ पहले स्थान पर है।
- 2023 में भारत को 125 बिलियन डॉलर का विप्रेषण प्राप्त हुआ था।
- इसके बाद मेक्सिको, चीन, फिलीपींस, और पाकिस्तान का स्थान है।
- **चीन में कम होता विप्रेषण :–**
- पिछले वर्ष चीन में वैश्विक विप्रेषण का केवल 5.3% हिस्सा प्राप्त हुआ।

- यह पिछले दो दशकों में सबसे कम है।
- **कारण :–** चीन की आर्थिक समृद्धि और वृद्ध होती जनसंख्या के कारण कम-कौशल वाले के चलते|
- 2024 में इन देशों में 685 बिलियन डॉलर तक विप्रेषण बढ़ने का अनुमान है।
- **भारत में उच्च विप्रेषण के कारण :– योगदान देने वाले कारक**

1. भारत दुनिया में सबसे बड़ी प्रवासी आबादी (Diaspora) ।
2. 2023 तक 18 मिलियन से अधिक भारतीय नागरिक विदेशों में ।
3. नये गंतव्य संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया जैसे उच्च आय वाले देशों में प्रवास कर रहे।

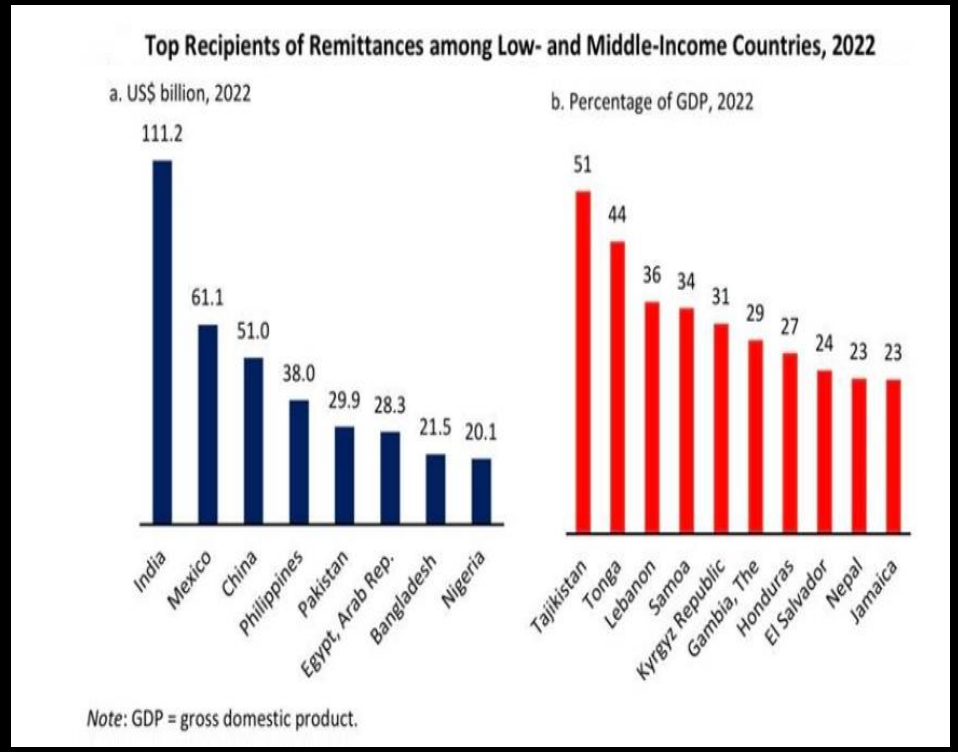

❑ विप्रेषण (Remittance) का अर्थ है किसी व्यक्ति द्वारा दूसरे स्थान पर रहने वाले व्यक्ति या संस्था को धनराशि भेजना। यह धनराशि आमतौर पर प्रवासी कामगारों द्वारा अपने परिवार, रिश्तेदारों, या व्यापारिक उद्देश्यों के लिए भेजी जाती है।

❑ प्रमुख बिंदु:

1. अंतर्राष्ट्रीय विप्रेषण: जब धन एक देश से दूसरे देश में भेजा जाता है। उदाहरण के लिए, भारत में रहने वाले व्यक्ति को विदेश में काम करने वाले उनके परिवार के सदस्य द्वारा भेजा गया पैसा।
2. घरेलू विप्रेषण: जब धन एक ही देश के भीतर स्थानांतरित किया जाता है। उदाहरण के लिए, शहरों में काम करने वाले लोग अपने गांव में परिवार को पैसे भेजते हैं।
3. उपयोग:

❑ परिवार के जीवनयापन के लिए।

- बच्चों की शिक्षा के लिए।
- चिकित्सा खर्च या आपातकालीन स्थिति के लिए।
- बचत या निवेश के लिए।

- माध्यम:
- बैंक ट्रांसफर
- मनी ट्रांसफर एजेंसियां (जैसे Western Union, MoneyGram)
- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे PayPal, Wise)
- मोबाइल वॉलेट्स

- आर्थिक महत्व:
- 1. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था: विशेषकर विकासशील देशों के लिए विदेशी विप्रेषण एक महत्वपूर्ण आय का स्रोत है।

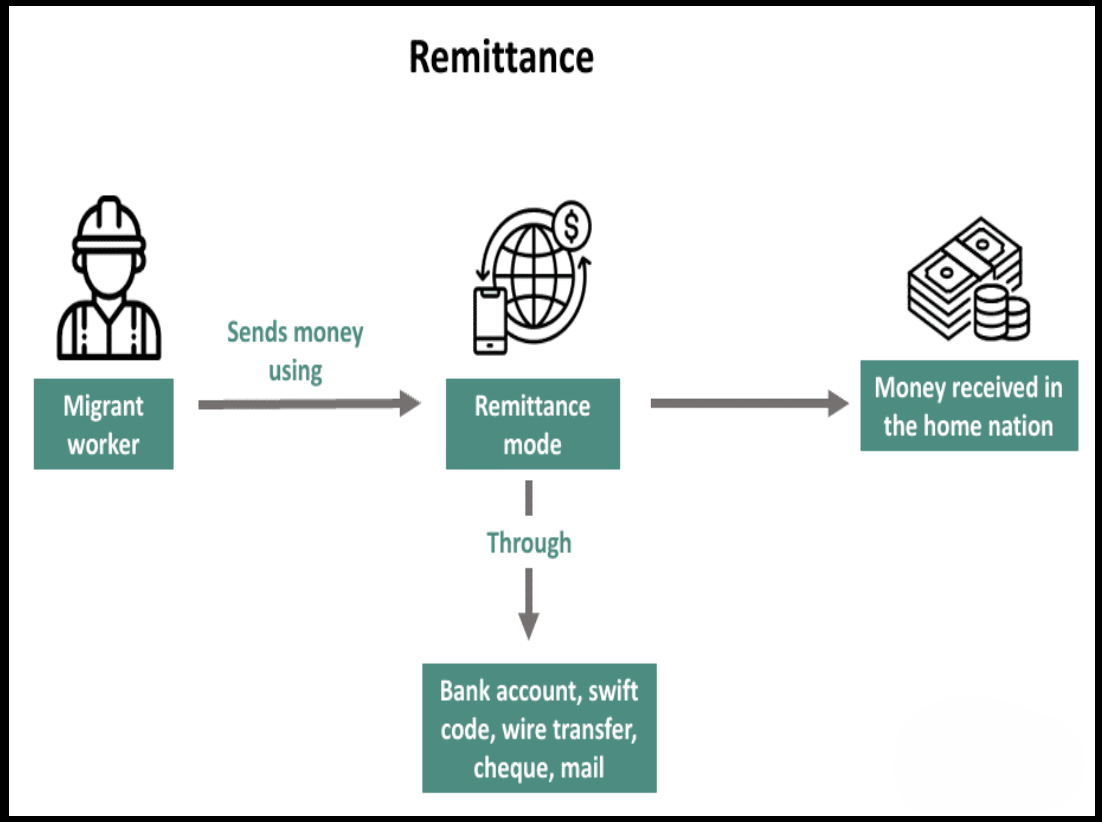

- **2. स्थानीय विकास:** यह ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की क्रय शक्ति को बढ़ाता है।

- **3. विदेशी मुद्रा भंडार:** यह किसी देश के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में मदद करता है।

❑ भारत में रेमिटेंस का योगदान GDP में निम्नलिखित में से किस प्रकार का प्रभाव डालता है?

1. भारत का चालू खाता घाटा कम होता है।
2. यह ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खपत को बढ़ावा देता है।3. इससे विदेश व्यापार का संतुलन प्रभावित होता है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

A) केवल 1

B) केवल 1 और 2

C) केवल 2 और 3

D) 1, 2 और 3

यूरोप को रूसी गैस की सप्लाई बंद

❑Source :– दैनिक भास्कर

❑यूक्रेन के रास्ते यह पाइप लाइन यूरोप की ऊर्जा जरूरत को पूरा करती है किंतु जेलेंस्की ने 5 साल पुराना एग्रीमेंट नहीं बढ़ाया

❑किनको अधिक नुकसान :– हंगरी, स्लोवाकिया, मोल्दोवा को सबसे ज्यादा

❑यह समझौता रूस की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी गाजप्रोम और यूक्रेन के बीच था जिसके तहत पाइपलाइन के जरिए यूरोपीय देशों को गैस भेजी जाती थी।

❑ यह रूस और यूक्रेन के बीच बचा आखिरी कारोबारी और राजनीतिक समझौता था जी खत्म हो चुका है

❑इस समझौते के टूटने से रूस अब यूरोप के अन्य देशों तक प्राकृतिक गैस पहुंचाने में असमर्थ हो गया है।

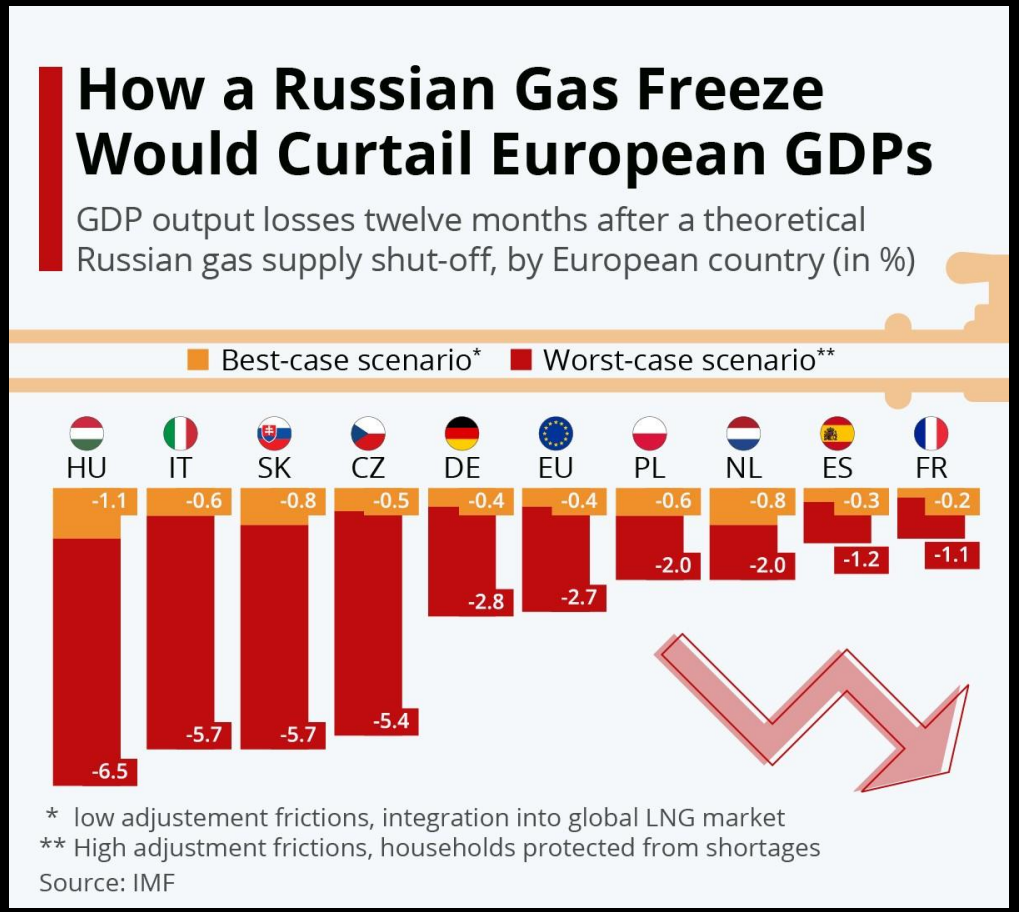

❑अभी तक रूसी कंपनी गाजप्रोम ट्रांजिट जंग के दौरान भी स्लोवाकिया, मोल्दोवा और हंगरी समेत कई देशों को प्राकृतिक गैस भेजने का काम कर रही थी।

❑यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री जर्मन गैलुशेंको ने कहा- यूक्रेन ने रूसी गैस के ट्रांजिट पर रोक लगा दी है।

❑**यूक्रेन को क्या लाभ :–** यूक्रेन रूस को आर्थिक रूप से कमजोर करना चाहता है। रूस अपने बाजार खो देगा, जिससे वित्तीय नुकसान होगा।

❑ **स्लोवाकिया की धमकी**

❑ट्रांजिट एग्रीमेंट की शुरुआत 2019 में हुई थी। जिसका उद्देश्य यूरोपीय देशों के गैस भेजना था।

❑यह एग्रीमेंट 31 दिसंबर 2024 को खत्म हो गया ।

❑यूक्रेन के ऊपर कई यूरोपीय देश दबाव बना रहे थे कि वह इस एग्रीमेंट को ना तोड़े

❑जिसमे स्लोवाकिया के PM रॉबर्ट फिको और हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन मुख्य थे।

❑स्लोवाकिया के PM रॉबर्ट फिको ने कहा था कि अगर यूक्रेन ने ट्रांजिट डील को रिन्यू नहीं किया तो स्लोवाकिया, यूक्रेन की बिजली सप्लाई रोक देगा।

❑यूक्रेन ने इस धमकी को गंभीरता से नहीं लिया और उसने कहा कि उसे इस चीज की परवाह नहीं है।

❑यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री जर्मन गैलुशेंको ने कहा कि स्लोवाकिया ऐसा करेगा तो यूक्रेन, रोमानिया और पोलैंड से बिजली आयात करेगा।

Result Mitra

THANK YOU

Result Mitra

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result